सत्संग से ही आता है दिव्य परिवर्तन

इंदौर। जीवन में हर व्यक्ति सद्गुण प्राप्त करना चाहिए,कथा श्रवण करने से प्रत्येक मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं,जहां भागवत विराजमान होती है वो वृंदावन धाम बन जाता है,भागवत मनुष्य का कल्याण करती हैं,जीवन में भौतिक प्रगति व आध्यात्मिक उन्नति भी होना चाहिए, काम क्रोध लोभ से मनुष्य ही बना है,व्यक्ति को अच्छा बनने के लिए मेहनत करना चाहिए, सत्कर्म के मार्ग पर ही चलें,जो कर्म परायण बनता है वो मोक्ष की प्राप्ति करता हैयह बाते ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पांचवे दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरआत करना चाहिए। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में गोवर्धन पूजा उत्सव मनाया गया, भगवान कृष्ण बनकर बाल कलाकार ने मटकी फोड़ी। सैकड़ों महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया, सभी भक्तों ने कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लिया। व्यासपीठ का पूजन अर्चन रमेश मेंदोला, प्रेमचंद गोयल, गणेश गोयल, राज दीक्षित, संदीप जोशी, सुधीर कोल्हे, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।